Dr. Poonam Sharma
Assistant Professor
Dept. of Philosophy
R.N. College, Hajipur

class — T.D.C. Part III

Paper — VII
(Logic and Analysis)

Topic — आलंकारिक एवं संवेगात्मक अर्थ
(Figurative and Emotive Meaning)

आलंकारिक अर्थ एवं संवेगात्मक अर्थ
(Figurative Meaning and Emotive Meaning)

किसी वाक्य की रचना शब्दों के द्वारा होती है ये शब्द अक्षरों के योग से बनते हैं। अर्थ की दृष्टि से शब्द सबसे छोटी इकाई है। इसलिए शब्द का अर्थपूर्ण होना उसकी आवश्यक शर्त है। अर्थ की विविधता के आधार पर शब्द के दो रूप हैं —

① आलंकारिक अर्थ (Figurative Meaning) तथा
② संवेगात्मक अर्थ (Emotive Meaning)

① आलंकारिक अर्थ — जब किसी शब्द का प्रयोग उसके साधारण या रूढ़ (conventional) अर्थ में न करके विशेष अर्थ में किया जाये, तो उसे आलंकारिक अर्थ कहते हैं। उदाहरण के लिए, यदि एक वाक्य में यह कहा जाये 'उस जंगल में एक लोमड़ी है' तथा दूसरे वाक्य में कहा जाये 'वह लड़की लोमड़ी है', तो प्रथम वाक्य में लोमड़ी शब्द का प्रयोग 'पशु' के अर्थ में हुआ है जो उसका साधारण या मुख्य अर्थ है, किन्तु दूसरे वाक्य में 'चालाकी' के अर्थ में प्रयोग किया गया शब्द उसके विशेष अर्थ का सूचक है। इसीप्रकार यदि एक वाक्य में यह कहा जाये 'सड़क पर एक गदहा है' तथा दूसरे वाक्य में कहा जाये 'वह व्यक्ति गदहा है', तो पहले वाक्य में गदहा शब्द का प्रयोग पशु के लिए साधारण अर्थ में किया गया है, किन्तु दूसरे वाक्य में गदहा शब्द मूर्ख के लिए प्रयुक्त है जो विशेष अर्थ है। इन सभी वाक्यों से शब्द के आलंकारिक अर्थ स्पष्ट होते हैं।

शाब्दिक एवं आलंकारिक प्रयोगों में

अर्थों में समानता होती है। वस्तुतः लोमड़ी एक चालाक पशु का सूचक है जिसका प्रयोग लड़की के स्वभाव की चालाकी के लिए किया जा रहा है इसीप्रकार गदहा एक बुद्धिहीन पशु का प्रतिनिधित्व करता है जिसका प्रयोग उस व्यक्ति के लिए किया जा रहा है जो स्वभाव से मूर्ख है। इसलिए शाब्दिक एवं आलंकारिक प्रयोगों में अर्थ की समानता होती है।

इसप्रकार किसी भाषा में पाये जानेवाले शब्दों के जो अर्थ होते हैं, उससे आलंकारिक अर्थ निकालने की प्रवृत्ति रहती है। किसी शब्द के साधारण एवं निश्चित अर्थों के द्वारा उसका अभिधात्मक (मुख्य अर्थ) तथा लाक्षणिक (गौण अर्थ) प्रयोग होता है। जैसे — 'भारी वजन' कहना मुख्य अर्थ का सूचक है कि किसी वस्तु या व्यक्ति का वजन अधिक है। किन्तु 'भारी दिल' कहना उसका गौण अर्थ है। यह व्यक्त करता है कि किसी चिन्तावश दिल बोझिल हो गया है। इसप्रकार 'भारी' शब्द के मे मुख्य एवं आलंकारिक अर्थ स्पष्ट होते हैं। इसीप्रकार 'जलता हुआ मकान' तथा 'गुस्से से जलता हुआ मन' क्रमशः मुख्य अर्थ एवं गौण अर्थ को व्यक्त कर रहा है। एक अन्य उदाहरण में 'पशु की गर्दन' कहना मुख्य अर्थ है, किन्तु यदि 'सुराही की गर्दन' कहा जाये, तो यह गौण अर्थ होगा। इसप्रकार आलंकारिक प्रयोगों में अर्थ की समानता तो होती है, किन्तु इससे भाषा में अनेकार्थकता उत्पन्न होती है।

② संवेगात्मक अर्थ — किसी शब्द के बोलने से श्रोता या पढ़ने से पाठक के मन में जो भाव उत्पन्न होते हैं, उन मनोभावों को ही उस शब्द का संवेगात्मक अर्थ कहा जाता है। जैसे — 'आदिवासी' शब्द के सुनने या

पढ़ने से उत्पन्न होनेवाले प्रभाव या भाव विभिन्न व्यक्तियों पर पृथक्-पृथक् होते हैं। इसीप्रकार 'समाजवाद' शब्द का प्रभाव विभिन्न राजनीतिक दलों पर पृथक्-पृथक् होता है। इस-प्रकार मनोभावों की भिन्नता के कारण संवेगात्मक अर्थ अलग-अलग होते हैं। किन्तु इस भिन्नता से किसी शब्द का संज्ञानात्मक (Cognitive) अर्थ परिवर्तित नहीं होता। उस शब्द का मूल अर्थ वही रहता है, भले-ही संवेगात्मक अर्थ अनेक हों।

किसी शब्द के संज्ञानात्मक अर्थ में भिन्नता आने पर ही प्रायः उस शब्द का संवेगात्मक अर्थ भिन्न होता है। उदाहरण के लिए, 'समझौता' एवं 'तुष्टीकरण' — इन शब्दों के संवेगात्मक अर्थ भिन्न होते हैं क्योंकि उनके संज्ञानात्मक अर्थ भी भिन्न हैं। समझौता करने-वाले को तुष्ट करनेवाला नहीं माना जा सकता। तुष्ट करनेवाला किसी की प्रसन्नता के लिए अपने सभी आदर्शों को छोड़ सकता है, किन्तु समझौता करनेवाला केवल उन्हीं विचारों पर तालमेल बैठाता है, जिनको वह मूल आदर्शों की अपेक्षा कम महत्वपूर्ण मानता है। इसलिए 'तुष्टीकरण' शब्द अप्रियता का सूचक है।

इसप्रकार किसी शब्द का संवेगात्मक अर्थ उस शब्द के बोलने से या पढ़ने से श्रोता या पाठक के ऊपर पड़ने-वाला प्रभाव है। उसके मनोभाव ही अर्थ को स्पष्ट करते हैं। उस शब्द का संज्ञानात्मक अर्थ भिन्न नहीं होता, किन्तु श्रोता या पाठक के मनोभावों में अन्तर होने के कारण उसके संवेगात्मक अर्थ भिन्न होते हैं। संवेगात्मक अर्थ किसी शब्द का लाक्षणिक प्रयोग नहीं होता है, किन्तु किसी शब्द का आलंकारिक अर्थ उस शब्द का लाक्षणिक प्रयोग है तथा यह आलंकारिक अर्थ सभी श्रोता या पाठक के लिए एक ही होता है।

———X———X———